विशिष्ट शैक्षिक संकल्पनाएँ

(संकल्पना व निर्माण)
प्रशान्त अग्रवाल
सहायक अध्यापक
प्राथमिक विद्यालय डहिया
विकास क्षेत्र : फतेहगंज पश्चिमी
जनपद : बरेली (उ.प्र.)

विशिष्ट संकल्पनाएँ : अनुक्रमणिका

- अच्छी खबर, अच्छा असर
- स्कूल की ब्रान्डिंग
- Growing Little Master (GLM)
- परीक्षा में 'पसखोलि'
- एक आधार, अनेक निर्माण
- चित्र-स्मृति से अक्षर/मात्रा की पहचान
- हिंदी वर्णमाला के सभी वर्ण (अभ्यास क्रम से)
- नाम और आकार से अक्षर साम्य : न ज प च
- नाम और आकार से अक्षर साम्य : फ त ध व
- नाम और आकार से अक्षर साम्य : स ए भ ह
- नाम और आकार से अक्षर साम्य : क झ उ ठ
- नाम और आकार से अक्षर साम्य : ख म ड ब
- चित्र का ध्यान, मात्रा की पहचान
- हर मात्रा के शब्द
- मात्रा-भ्रम होगा कम
- हिन्दी की सभी मात्राएँ समेटे 30 वाक्य/पदावली
- सर्वनाम, विशेषण, संज्ञा, क्रिया-विशेषण, क्रिया (वाक्यपरक अभ्यास)
- व्याकरण ज्ञान, मात्रा पहचान
- सदा सामने लक्ष्य : दो प्रयास
- बेसिक का बेस
- किसमें कितना दम (आंकलन प्रपत्र)
- Most Common Sight Words
- मूलभूत गणितीय आकार
- ऐकिक नियम (दृष्टान्त से concept clear)
- Pocket book
- पुस्तकालय व्यवस्था में संशोधन-सुधार
- प्रोजेक्टर हेतु video downloading
- शैक्षिक सामग्री की online खरीद

अच्छी खबर, अच्छा असर

【योजना】

प्रार्थना सभा में बच्चों को अपनी या किसी अन्य की अच्छी बात बोलने को कहा जाता है ताकि बच्चों में सकारात्मकता के संस्कारों का बीजारोपण हो।

------- कुछ निशानी, बच्चों की ज़बानी -------

- एक पौधा था, किसी ने उसे काट दिया तो मैंने उसे बचाया, उसमें कल्ले फूट आये। जब वह बड़ा हुआ तो एक बकरी ने उसे चर लिया, मैंने हिम्मत नहीं हारी, उसे फिर से बचाया और अब उसमें फिर से कल्ला फूटा है। (शिवानी)
- एक चींटी का दाना रास्ते में गिरा तो मैंने दाना उसके बिल पर रख दिया। (रुखसार)
- मैं मेले में झूलेवाले के पैसे देना भूल गया, फिर मैंने वापस जाकर पैसे दिये। (खालिद)
- नाज़िया मुँह में सिक्का डाल रही थी तो मैंने उसे समझाकर सिक्का हटवाया। (सोनी)
- मैंने चूहेदान में बची रोटी कूड़ेदान में डालने की बजाय कौए को डलवा दी। (दिलीप)
- मैंने खाली समय में बच्चों को पढ़ाया, और पढ़ाने के बाद उनसे पूछा भी। (करन)
- मैंने रास्ते में पड़ी एक कील हटाकर किनारे पर रख दी। (खालिद)
- मैंने बबीता के पापा को साइकिल से नहर तक पहुँचाया। (करन)
- मैंने चींटी के लिए रोटी डाली। (रुखसार)
- मैंने मोहित के पापा का 1000 का नोट लौटाया। (आयुष)

दिल की आवाज़

"आशा है लघु बीज ये, बनेंगे वटवृक्ष विशाल ।
जिनकी शीतल छाँव से तप्त पथिक होंगे निहाल।।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल) (प्रयोग स्थल : प्राथमिक विद्यालय डहिया, फतेहगंज पश्चिमी, बरेली, उ.प्र.)

• स्कूल की ब्रांडिंग •

जब उत्पादों की ब्रांड वैल्यू हो सकती है तो हमारे जीते-जागते नौनिहालों के जीवंत विद्यालय क्या अपना ब्रांड नहीं बना सकते? मैंने इसके बारे में कुछ सोचा है और अगर कोई साथी इस सोच को पसंद करके अपनायेगा तो मुझे दिली ख़ुशी होगी।

मेरे विद्यालय डहिया का Brand Slogan : "स्कूल हमारा खुली किताब"

स्कूल खुलते ही हमारी सारी किताबें खुल जाती हैं और तब तक लगातार खुली रहती हैं, जब तक स्कूल बंद नहीं हो जाता; क्योंकि हमारे स्कूल के दरो-दीवार ही हमारी खुली किताब बन चुके हैं। A4 आकार के कागजों पर sketch pens द्वारा बनायी गयी शैक्षणिक सामग्री विद्यालय की दीवारों पर बच्चों की स्वाभाविक ऊँचाई पर टेप से चिपका दी गयी है एवं चार्ट्स, मुद्रित पोस्टर लटका या चिपका दिये हैं। (अभी सिर्फ शुरुआत है, आगे-आगे.....)

(PRE : Print Rich Environment) "जहाँ नज़र पड़े, वहीं ज्ञान बढ़े"

यह तो brand का एक प्रकार है। कोई अन्य साथी अपने विद्यालय में यही या कोई अन्य विशेषता विकसित करके उसे ब्रांड का स्वरूप दे सकते हैं।

हर विद्यालय की एक विशिष्ट पहचान हेतु कुछ सुझावात्मक brand slogan :

1. चलते-फिरते संस्कार हम
2. प्रथम पढ़ाई साफ़-सफाई
3. खेल-खेल में हम पढ़ते हैं
4. स्वयं चले वो इंजन हम
5. छुट्टी की हम करते छुट्टी
6. हमसे अपनी घड़ी मिला लो
7. पढ़ते हैं, पढ़ाते हैं
8. संस्कार की यहाँ बहार
9. यहाँ के बच्चे शिक्षक हैं
10. यह विद्यालय मंदिर है
11. फूल यहाँ के सभी महकते
12. .....

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

Growing Little Master (GLM)

(अशिक्षा, अजागृति और व्यवस्थागत खामियों से भरे परिवेश में सुधार हेतु एक आह्वान)

प्यारे बच्चों,

एक दिन में हमें 24 घण्टे मिलते हैं जिसमें से विद्यालय में तुम 5/6 घंटे रहते हो। यह समय बहुत खास है। लेकिन प्यारे बच्चों उससे भी ज़्यादा खास हैं बाकी के 19/18 घंटे जो तुम घर-गाँव में बिताते हो। सवाल ये है कि इन 19/18 घंटों में तुम क्या करते हो, किसके संग रहते हो?

अब मैं तुम्हें ऐसा काम बताता हूँ जिसे करने पर तुम्हें एक नहीं अनेक फायदे होंगे। **करना यह है कि किसी भी छोटे बच्चे (या अपने भाई बहन) को तुम उसके घर जाकर या अपने घर पर थोड़ी देर पढ़ाओ।**

अब इसके **फायदे** सुनो :

- उस बच्चे को पढ़ना आयेगा और तुम जो उसकी जिंदगी संवारोगे, तो जीवन-भर वो और उसका परिवार तुम्हारा अहसान मानेंगे, इज़्ज़त करेंगे।
- पढ़ाने से तुम्हारा अपना ज्ञान समृद्ध होगा, revise होगा, तुम्हारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।
- उस बच्चे की भलाई करने से भगवान भी खुश होंगे और तुम्हें पुण्य मिलेगा।
- गाँव में भी तुम्हारा तुम्हारे घर-परिवार का नाम होगा, जिसका आगे चलकर वो फायदा मिलेगा जो तुम अभी समझ भी नहीं पाओगे।
- और बहुत खास बात, जब तुम अपने समय का कोयला नहीं बनाओगे तो चन्दन की खुशबू से तुम, तुम्हारा घर, पूरा गाँव... सब महक उठेगा। चंदन का कोयला वाली कहानी याद है न?

"विद्यादान महादान"

अच्छा, कामयाबी मिले या न मिले, ये बताओ कि कोशिश कौन-कौन करेगा? (क्योंकि कोशिश करने वालों की....) (..... शाबाश)

- कक्षा में प्रेरित करके ऐसे बच्चों के जोड़े या समूह भी बनाये जा सकते हैं जो गाँव मे भी प्रायः एक साथ रहते हैं या जिनकी आपस में अच्छी निभती है।
- हाँ, इन प्रयासों का निरंतर feedback लेना और अच्छा कार्य करने वाले बच्चों को पुरस्कार/प्रोत्साहन देना बहुत आवश्यक है क्योंकि गति पकड़ने से पहले इंजन पर विशेष बल लगाना पड़ता है।

TLM + GLM = ELM (Effective Learning Method)

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

परीक्षा में 'पसखोलि'

(एक दिन कक्षा में बच्चों को समझाते समय कुछ बना)

जिस प्रकार भाषा-शिक्षा में 'सुबोपलि' का सूत्र काम करता है, उसी तर्ज पर 'लिखित परीक्षा' संबंधी एक सूत्र निर्मित हुआ :

'पसखोलि'

'प'ढ़ना (प्रश्न को) (क्या लिखा है, पेपर में)

'स'मझना (प्रश्न को) (क्या पूछ रहे हैं, पेपर में)

'खो'जना (उत्तर को) (कैसे/क्या, दिमाग में)

'लि'खना (उत्तर को) (लेखन, कॉपी पर)

पूर्ण शुचितापूर्ण परीक्षा के दौरान बच्चों को प्रश्न हल करते समय क्रमशः यही काम करने होते हैं।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश)
(विचार तिथि : 29.8.18)

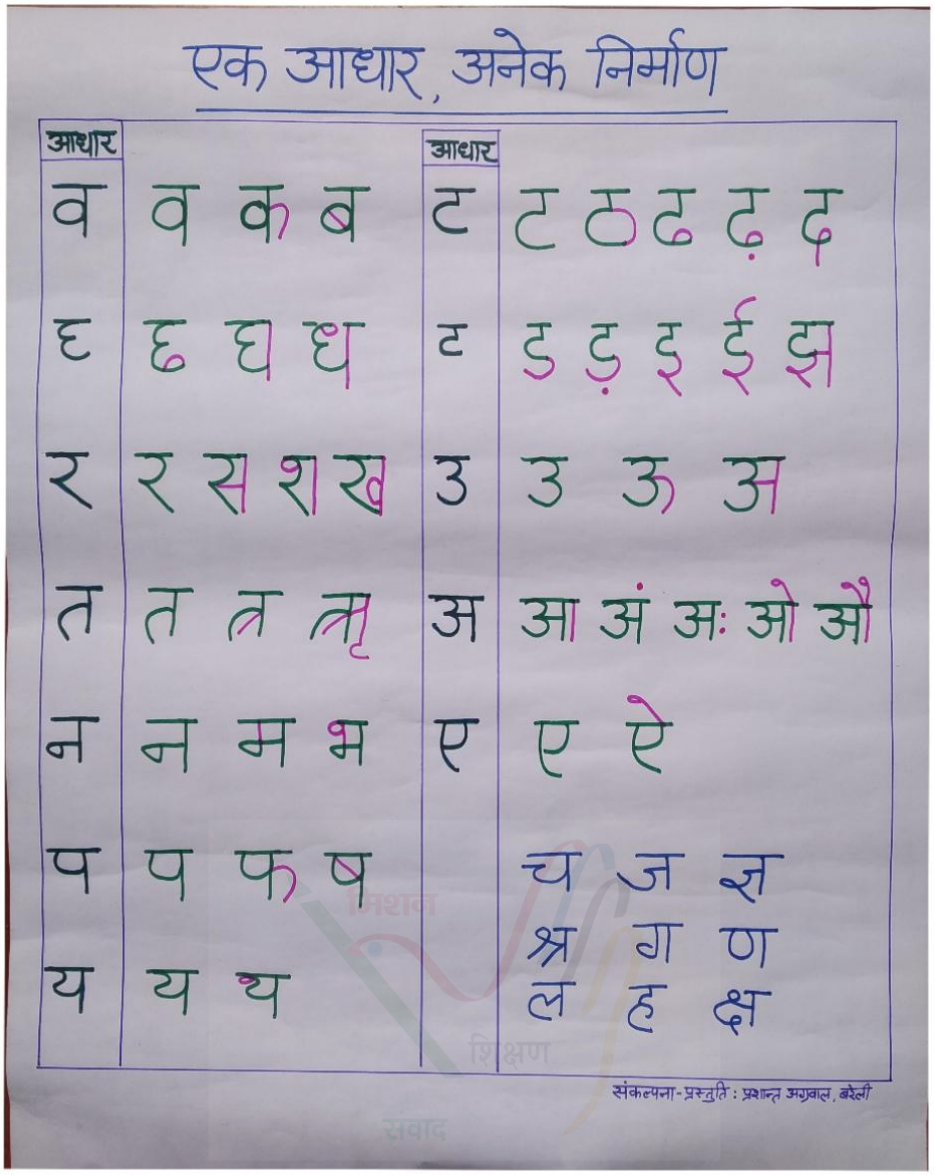

एक आधार, अनेक निर्माण

(वर्ण-पहचान को आसान बनाने हेतु एक मौलिक प्रयोग)

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली, उ.प्र.)

बच्चों को पुस्तक पढ़ने में पहली समस्या आती है, 'वर्ण की पहचान'। हम सभी देखते हैं कि हिंदी भाषा में अनेक वर्णों में परस्पर रचना-साम्यता भी बहुत है; तो क्यों न इस रचना-साम्यता का लाभ उठाकर बच्चों द्वारा वर्ण-पहचान के काम को आसान बना दिया जाये!

इसके लिए वर्णों को पहले रचना-साम्यता के आधार पर 2/3/4/5 वर्णों में समूहबद्ध किया गया। फिर एक दिन में एक समूह के वर्णों पर 'लयात्मक' रीति से focus करते हुए वर्ण-पहचान संबंधी task को परिणति तक पहुंचाया गया।

इससे बच्चों में रचना-साम्यता पर आधारित जो भ्रम और भय रहता है, वह भी समाप्त हो जाता है।

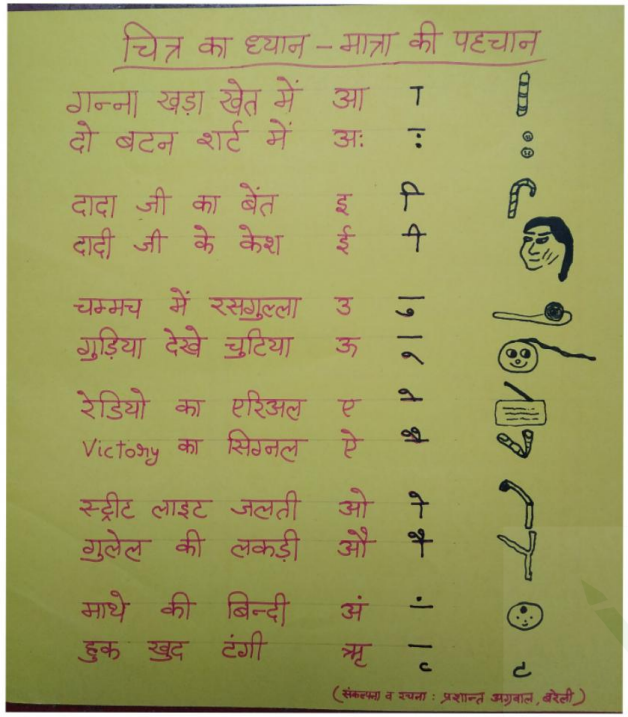

• Letter-Recognition-Puzzle •

(Image से जोड़ेंगे, Letter सब खोजेंगे)

वह letter जिसमें दिखता है सीधा-सच्चा डंडा
वह letter जो लगता जैसे तना हुआ हो झण्डा

वह letter जिसको देखें तो 'पम्प हवा का' लगता
वह letter जिसको देखें तो गुणनचिह्न सा दिखता

वह letter जो लगता है मानों मानव का कान
वह letter जो लगता है मानों घोड़े की नाल

वह letter जो लगता है अंडे-सा गोल-मटोल
वह letter जो पास-पास बैठे दो आधे गोल

वह letter ज्यूँ दीवार में ठोकीं कीलें तीन
वह letter जिसमें दिखती है तेल वाली कीप

वह letter ऐसा लगता है लहरदार हो साँप
वह letter मानों फैलीं दो उँगली पास-पास

वह letter जिसमें लगता है । और २ मिलते
वह letter जिसमें दिखते हैं V V मानों जुड़ते

वह letter जो दर्पण में दिखता है मानों नौ
वह letter जो खड़ी रॉड से निकलें किरणें दो

वह letter जिसमें अंडे से छोटी पूँछ निकली
वह letter जिसमें दिखती है खाली खड़ी नली

वह letter जिसको देखें तो लगता मानों सीढ़ी
वह letter दो लेटीं रेखा, जोड़े रेखा तिरछी

वह letter बतलाओ जो दिखता है हुक सरीखा
वह letter दो खड़ी रेख को जोड़े तिरछी रेखा

वह letter जब पड़ी रेख पर रेखा खड़ी अटूट
वह letter मानों कोई पुल गिरा बीच से टूट

वह letter बतलाओ मानों दिया हो झूला टाँग
वह letter बतलाओ जिसमें दिखता आधा चाँद

(रचनाकार)
प्रशान्त अग्रवाल
स०अ०, प्राथमिक विद्यालय डहिया,
फतेहगंज पश्चिमी, बरेली, उत्तर प्रदेश

(Answers)
I, F, T, X, G, C, O, B, E, Y, S, V, R, W,
P, K, Q, U, H, Z, J, N, L, M, A, D)

चित्र-स्मृति से अक्षर/मात्रा की पहचान

Learning Outcome :
चित्र की स्मृति से बच्चे मात्राओं को आसानी से पहचान लेंगे।

Concept :

1. अक्षर/मात्रा की बनावट,
2. उसका उच्चारण
   और
3. तत्सम्बन्धी चित्र;

इन तीनों का आपसी संबंध जितना अधिक घनिष्ठ होगा, बच्चा उतनी ही जल्दी अक्षर/मात्रा की पहचान कर सकेगा।

ऐसे में जब हम 'ट से टमाटर' या 'टमाटर वाला ट' पढ़ाते हैं तो चित्र का अक्षर की पहचान से कोई समन्वय नहीं होता क्योंकि न तो टमाटर की आकृति ट जैसी है और टमाटर वाला ट लिखने या बताने से भी समस्या नहीं सुलझती क्योंकि टमाटर की लिखावट से बच्चे को क्या मतलब, जब उसे ट की ही पहचान नहीं है।

उपाय यह हो सकता है कि 'चित्र से अक्षर/मात्रा की बनावट का संयोजन' बच्चे के दिमाग में बैठाने के लिए हम उस अक्षर/मात्रा की बनावट वाली वस्तु से ही उस अक्षर/मात्रा को जोड़ें।

उदाहरण के लिए,
'हुक' वाला ट
'खुरपी' वाला ज
'पेंडुलम' वाला ठ
'ऊँची-नीची मूँछ' फ
'घोड़े की नाल' वाला U
'चिमटे' वाला V
'चूड़ी' वाला O
'गुणा' वाला X
'स्केल' वाला I,
'छाते की रॉड' वाला J
'सीढ़ी' जैसा H
आदि आदि

ताकि जब भी उन्हें अक्षर/मात्रा की पहचान करनी हो तो उनके दिमाग में वह आकृति चित्र उभर आये और उसके माध्यम से तत्काल उनके दिमाग में उस अक्षर/मात्रा की ध्वनि याद आ जाये।

(संकल्पना : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

हिन्दी वर्णमाला के सभी वर्ण
(अभ्यास क्रम से)

अब	तब	जब	सब	टब	ऐब
रस	दस	बस	इस	उस	ओस
थन	मन	धन	वन	ठन	ऊन
कल	चल	फल	नल	हल	
घर	भर	डर	क्षर	और	
खट	पट	झट	लट		
गम	ढम	श्रम	आम		
एक	शक	अंक			
ईख	षड	यज्ञ	छत्र	ऋण	
लड़	पढ़		अः	ङ	ञ

मिशन शिक्षण

(संकल्पना)
प्रशान्त अग्रवाल,
बरेली

(संकल्पना)
प्रशान्त अग्रवाल
बरेली

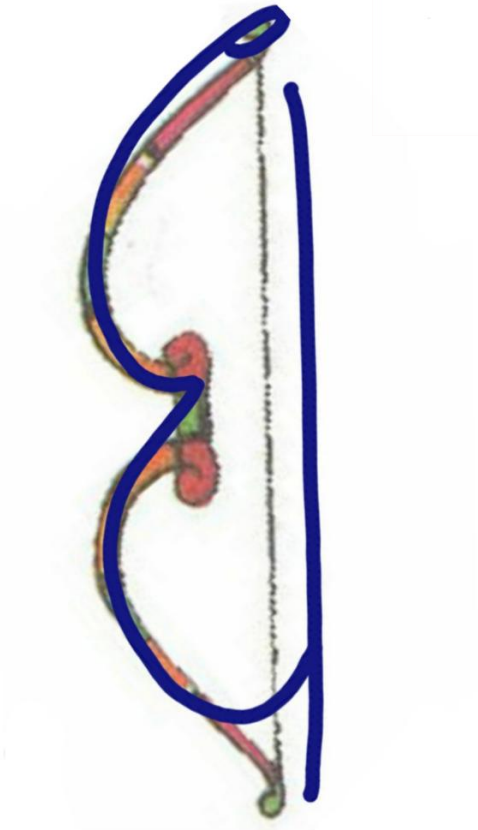

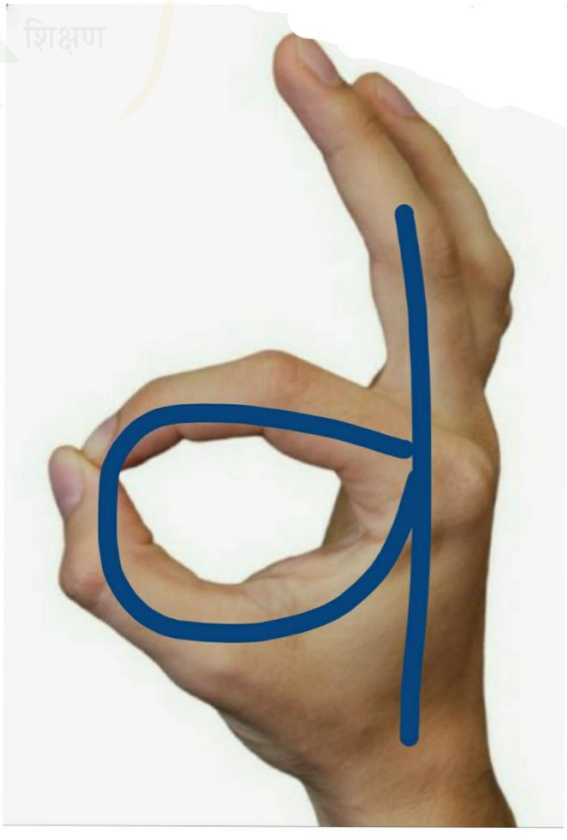

(संकल्पना)
प्रशान्त अग्रवाल
बरेली

(संकल्पना)
प्रशान्त अग्रवाल
बरेली

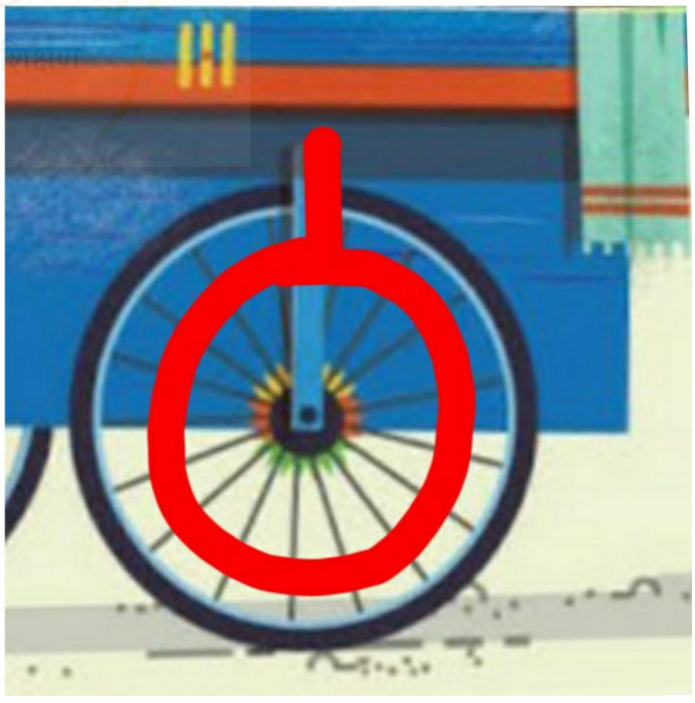

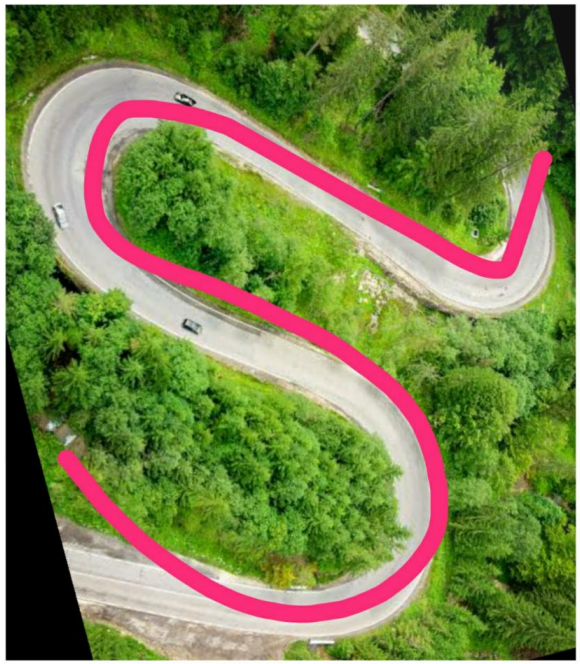

(संकल्पना : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली)

चित्र का ध्यान - मात्रा की पहचान

गन्ना खड़ा खेत में	आ	ा
दो बटन शर्ट में	अः	ः
दादा जी का बेंत	इ	ि
दादी जी के केश	ई	ी
चम्मच में रसगुल्ला	उ	ु
गुड़िया देखे चुटिया	ऊ	ू
रेडियो का एरिअल	ए	े
Victory का सिगनल	ऐ	ै
स्ट्रीट लाइट जलती	ओ	ो
गुलेल की लकड़ी	औ	ौ
माथे की बिन्दी	अं	ं
हुक खुद टंगी	ऋ	ृ

मिशन शिक्षण संवाद

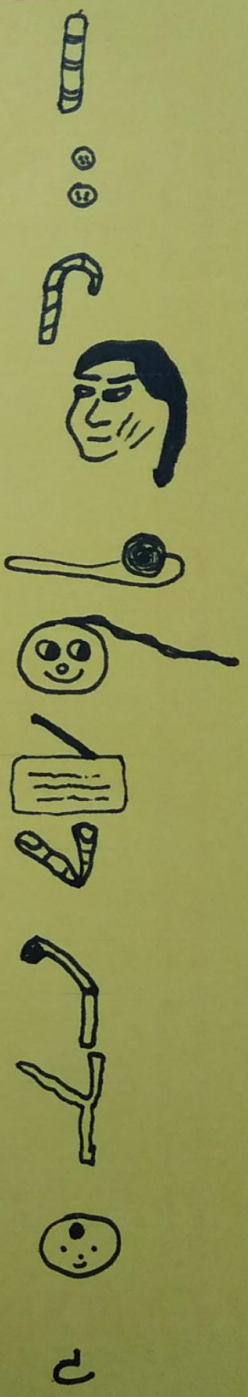

(संकल्पना व रचना : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली)

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अ
	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः
सच	माता	निधि	मीठी	गुरु	कूदू	गृह	पेड़े	गैस	सोचो	पौध	शंख	अतः
रथ	भाषा	तिथि	फीकी	पुत्र	दूध	तृण	भेजे	कैद	खोजो	बौर	पंख	नमः
यज्ञ	शाखा	गिरि	तीखी	बुध	फूल	घृत	बेटे	दैव	दौड़ो	फौज	अंग	सद्यः
दत	यात्रा	लिपि	भीगी	धुन	मूल	कृत	देखे	पैर	रोपो	मौत	संग	पुनः
पत्र	आज्ञा	विधि	सीधी	घुन	धूल	कृश	तेरे	सैर	फोटो	लौट	रंग	प्रातः
फल	दाला	क्षिति	दीली	सुख	भूख	वृष	मेरे	तैर	तोलो	दौड़	टंग	प्रायः
जड़	धारा	दिशि	चीरी	दुख	झूठ	वृक्ष	घेरे	वैर	बोलो	शौक	बंग	शनैः
बढ़	पासा	शिव	बीड़ी	मुख	छूट	मृग	फेरे	खैर	घोलो	खौल	भंग	स्वतः
वक्ष	दाबा	सिख	पीढ़ी	भुज	खून	मृत	केले	बैल	डोलो	तौल	तंग	क्रमशः
झट	वादा	मित्र	श्रीजी	खुर	घूस	दृग	ठेले	मैल	गोल	क्षौर	दंग	
ठग	घाटा	चित्र	झीनी	क्षुर	शूर	दृढ़	ढेले	फैल	ढोल	गौर	खंग	
धन	जाड़ा	हिम	टीवी	शुक	हूर	हद	चेले	शैल	शोर	चौक	लंग	
श्रम	गाढ़ा	खिल	दीदी	श्रुत	नूर	सृप	शेष	रैन	होश	हौज	डंक	
षड	डाका	फिर	शीशी	जुड़	सूप	नृप	क्षेत्र	नैन	दोष	कौन	रंक	
हक	थाना	द्विप	ढीली	चुप	रूप	नृ	श्रेय	चैन	नोट	द्यौद	पंक	

मात्रा-भ्रम, होगा कम

पिटा या पीटा	कुटा या कूटा	मेला या मैला	खोला या खौला
पिसा या पीसा	लुटा या लूटा	तेरा या तैरा	बोरा या बौरा
किला या कीला	जुड़ा या जूड़ा	तेरी या तैरी	कोरा या कौरा
चिता या चीता	मुड़ा या मूड़ा	बेर या बैर	बोना या बौना
चिरा या चीरा	सुता या सूता	सेर या सैर	भोंका या भौंका
छिना या छीना	सुना या सूना	खेर या खैर	लोटा या लौटा
गिला या गीला	बुरा या बूरा	बेल या बैल	पोना या पौना
शिला या शीला	बुझा या बूझा	मेल या मैल	शोक या शौक
शिरा या शीरा	चुरा या चूरा	जेल या जैल	मोर या मौर
टिका या टीका	चुका या चूका	फेल या फैल	मोल या मौल
पिता या पीता	चुना या चूना	चेन या चैन	कोन या कौन
दिया या दीया	सुना या सूना	केश या कैश	शोच या शौच
बिना या बीना	भुना या भूना	टेप या टैप	गोरी या गौरी
निरा या नीरा	गुदा या गूदा	देव या दैव	मोनी या मौनी
निल या नील	घुस या घूस		
सिल या सील	सुत या सूत		
मिल या मील	फुट या फूट		
दिन या दीन	फुल या फूल		
लिख या लीख	सुखी या सूखी		
जिंस या जींस	पुरी या पूरी		

(विचारक/विन्यासकार)
प्रशान्त अग्रवाल, बरेली, उ.प्र.

[हिन्दी की सभी मात्राएँ समेटे 30 वाक्य/पदावली]

(विचारक/विन्यासकार : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली, उ.प्र.)

1. वृद्धा मौसी को बैंक निःशुल्क छूट दे।
2. मैच में सोनू मृणालिनी संग पुनः दौड़ी।
3. गोमुख-निःसृत गंगा में खुशी मौजूद है।
4. गौरीशंकर पुरोहित पूजागृह में पुनः बैठे।
5. वृन्दा पुनः बिहारी संग जू कैसो भेस धरौ।
6. शंकालु प्रवृत्ति प्रायः सबमें मौजूद होती है।
7. नारंगी खिलौनों में वस्तुतः अदृश्य खुशबू है।
8. सौ अंकों हेतु विद्यार्थी पूर्णतः कृतसंकल्प हैं।
9. तिरंगा वस्तुतः चौकोर चीर में आवृत जुनून है।
10. मौलिकता से दूरी सृजन को प्रायः पंगु करती है।
11. कृति प्रायः चुनौतीपूर्ण ढंग से कोशिश करती है।
12. खुशी का रंग मूलतः दृष्टिकोण में मौजूद होता है।
13. सौ दुधारू भैंसों से छः गायों की संगति उत्कृष्ट है।
14. पौधों की संगत से प्रायः अदृश्य सुकून मिलता है।
15. पांडवों की चतुरंगिणी सेना के गौरव मूलतः कृष्ण हैं।
16. ऑस्ट्रेलिया में कंगारुओं की प्रायः विस्तृत मौजूदगी है।
17. चुनौती मूलतः हमारी चेतना को दृढ़संकल्पित करती है।
18. गुरूर से मौलिक कृति की रंगत प्रायः फीकी हो जाती है।
19. गौरवर्णा देवी गंगा का अमृतोपम सलिल पूर्णतः शुद्ध है।
20. पृथ्वीराज चौहान और संयोगिता का प्रेम मूलतः शुद्ध है।
21. दूरदृष्टा वैज्ञानिकों की मौलिकता मनुष्य को प्रायः दंग कर देती है।
22. मूलतः अपने अंग से निर्मित कुल्हाड़ी से ही वृक्ष की मौत होती है।
23. गौरवशाली मातृभूमि की निःस्वार्थ सेवा बहुत मंगलकारी होती है।
24. अभिमन्यु की संग्रामकला से कौरव सैन्यदल पूर्णतः चमत्कृत हो गया।

(25)

कौशल्या कैकेयी सुमित्रा
नमः मातृ जो मंगलरूपा

(26)

वृषारूढ़ भोले शिवशंकर
जै गौरीश नमः भुजंगधर

(27)

फैले खुशबू मनोकामिनी
नमः गौर रंग कृष्णमाधुरी

(28)

शनैः शनैः हुई वीणा झंकृत
रूप धरौ भोले चिरस्मृत

(29)

सैन्यशास्त्र भूगोल भौतिकी
पुनः पढ़ो संस्कृत अंग्रेज़ी

(30)

वायु अग्नि व्योम पृथ्वी
मूलतः हैं मौन रंग में

•

सर्वनाम, विशेषण, संज्ञा, क्रिया-विशेषण, क्रिया

मैं नया छाता परसों खरीदूँगा।
मैंने ताजे फल प्रतिदिन खाये।
वे काले मेघ झमाझम बरसेंगे।
उसने लाल गेंद ऊपर उछाली।
अपना अच्छा समय कहाँ गया?
तुम भावी योजना यहाँ बताओ।
उसका सारा सत्य सामने लाओ।
तुमने प्रभावी भाषण कब दिया?
मेरा गोल घड़ा पूर्णतया भर गया।
आप यह गीत कितनी बार सुनेंगे?
उनको बनारसी पान बहुत भाया।
कोई होशियार आदमी कुछ बोले।
हमने गाढ़ा शरबत धीरे-धीरे पिया।
यह शरारती बिल्ली पीछे कूदती है।
हम पवित्र भावनाएँ सर्वत्र फैलायेंगे।
हमको रोचक कहानी जल्दी सुनाइये।
मुझको सरल बच्चे अधिक लुभाते हैं।
तुम्हारी सीधी गाय बार-बार रंभाती है।
हमारे वर्तमान शिक्षक काफी सोचते हैं।
आपके चार सेब एक-एक करके खायेंगे।
सबने महत्त्वपूर्ण विचार ध्यानपूर्वक सुने।

(वाक्य-विन्यास/प्रस्तुति : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली, उ.प्र.)

व्याकरण ज्ञान : मात्रा पहचान

	संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया	क्रि० वि०
अ	बचपन	हम	एक	गया	इधर
आ	राजा	आप	काला	आया	रातभर
इ	चिड़िया	जिसने	विशाल	मिला	अधिक
ई	सीटी	वही	मीठा	सीखा	धीमी
उ	गुरु	तुम	सुन्दर	मुड़ा	चुपके
ऊ	फूल	तू	दूसरा	चूसा	दूर
ए	खेत	मेरे	अनेक	देखा	तेज
ऐ	बैल	जैसा	तैयार	बैठा	मैदान में
ओ	मोहन	जो	मोटा	बोला	रोज
औ	गौरी	कौन	चौड़ा	दौड़ा	दौड़कर
ऋ	वृक्ष		मृत	सृजा	कृपया
अं	शंख	स्वयं	असंख्य	टंगा	सायं
अः	मयूरः	कुतः	अष्टः	नमः	क्रमशः

संकल्पना-संयोजन : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

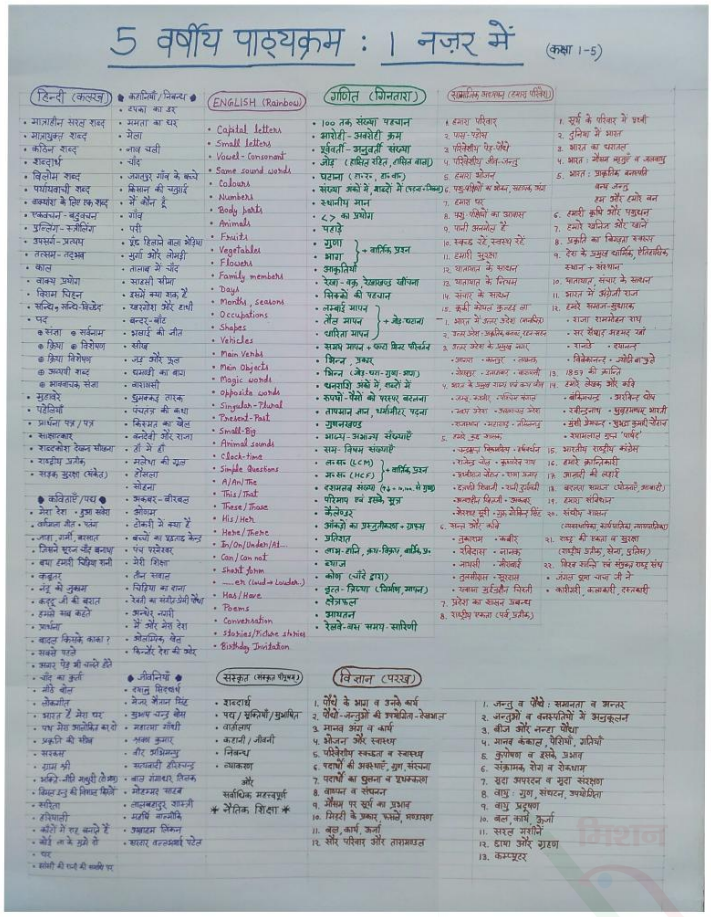

सदा सामने लक्ष्य : दो प्रयास

Learning Outcomes सामग्री की तर्ज पर पूर्व में किये गये दो प्रयास :

1. **जिस प्रकार Learning Outcomes के पोस्टर्स का उद्देश्य है 'लक्ष्य सदा नज़रों के सामने रहे' कुछ उसी तर्ज पर बेसिक के 5-वर्षीय पाठ्यक्रम को 'एक नज़र में' रखने का प्रयास किया था।**

2. **Learning Outcomes के leaflets की तर्ज पर उक्त पत्रकों की फोटोकॉपी कराकर प्रत्येक बच्चे को उपलब्ध कराई गयी तथा उपलब्धि प्राप्त करने पर तत्सम्बन्धी बिंदु पर tick करने की विधि अपनाकर सतत अधिगम-मापन की योजना बनायी गयी।**

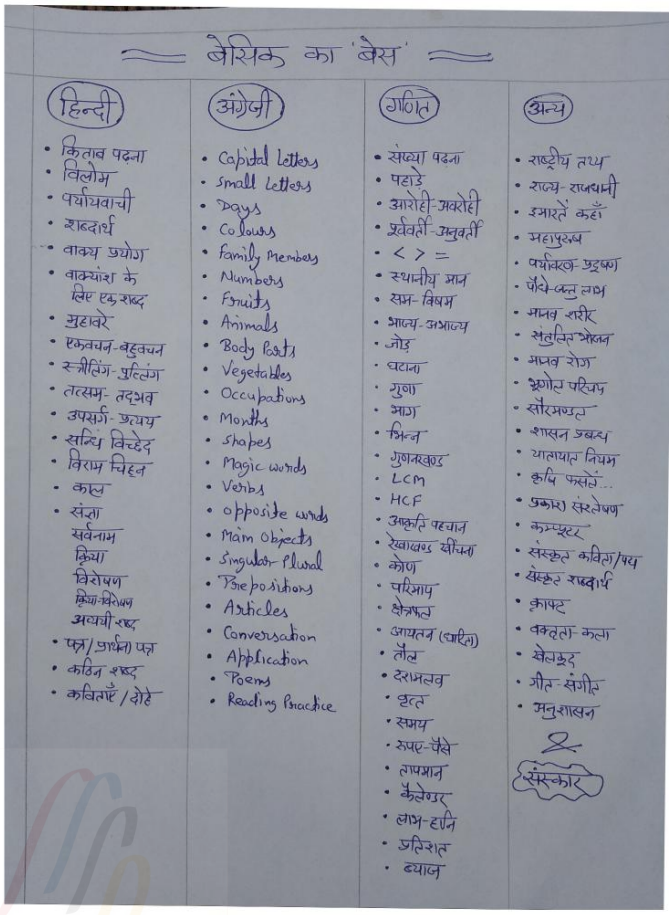

(प्रयोगकर्ता : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

मिशन शिक्षण संवाद

• बेसिक का बेस •

(100 बिंदु)

हिंदी	English	गणित	अन्य
• किताब पढ़ना • विलोम शब्द • पर्यायवाची शब्द • शब्दार्थ • वाक्य-प्रयोग • वाक्यांश के लिए एक शब्द • मुहावरे • एकवचन-बहुवचन • स्त्रीलिंग-पुल्लिंग • तत्सम-तद्भव • उपसर्ग-प्रत्यय • संधि विच्छेद • विराम चिह्न • काल • संज्ञा सर्वनाम क्रिया विशेषण क्रिया-विशेषण अव्यय शब्द • पत्र/प्रार्थना पत्र • कठिन शब्द • कविताएँ/दोहे	• Capital Letters • Small Letters • Days • Colours • Family Members • Numbers • Fruits • Animals • Body Parts • Vegetables • Occupations • Months • Shapes • Magic Words • Verbs • Opposite Words • Main Objects • Singular-Plural • Prepositions • Articles • Conversation • Application • Poems • Reading Practice	• संख्या पढ़ना • पहाड़े • आरोही-अवरोही • पूर्ववर्ती-अनुवर्ती • < > = • स्थानीय मान • सम-विषम • भाज्य-अभाज्य • जोड़ • घटाना • गुणा • भाग • भिन्न • गुणनखण्ड • LCM • HCF • आकृति पहचान • रेखाखण्ड खींचना • कोण • परिमाप • क्षेत्रफल • आयतन (धारिता) • तौल • दशमलव • वृत्त • समय • रुपये-पैसे • तापमान • कैलेण्डर • लाभ-हानि • प्रतिशत • ब्याज	• राष्ट्रीय तथ्य • राज्य-राजधानी • इमारतें कहाँ? • महापुरुष • पर्यावरण-प्रदूषण • पौधे-जंतु-लाभ • मानव-शरीर • संतुलित भोजन • मानव-रोग • भूगोल-परिचय • सौरमण्डल • शासन-प्रबन्ध • यातायात-नियम • कृषि-फसलें • प्रकाश-संश्लेषण • कम्प्यूटर • संस्कृत कविता/पद्य • संस्कृत शब्दार्थ • व्यायाम/योगासन • क्राफ्ट • वक्तृता-कला • खेलकूद • गीत-संगीत • चित्रकला • अनुशासन (व सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण) • संस्कार (विचार-संयोजन) प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

किसमें कितना दम

(मूल्यांकन प्रपत्र)

क्रम सं॰	विद्यार्थी	कक्षा	उ ऊ अ आ	ओ औ अं अः	ट ठ द	ड ड़ ढ ढ़	त त्र ऋ ल	न म भ	प फ ष	व ब क	इ ई झ	ए ऐ ह	घ ध द्द	च ज ज्ञ	य थ ख	र स श	ग ण क्ष	ङ ञ श्र	10 तक	२० तक	50 तक	100 तक	A ↓ G	H ↓ P	Q ↓ Z	विशेष
1	दानिश	1																								
२	मो॰ उवैस	1																								
3	तकी	1																								
५	अरमान	1																								
5	मो॰ हुसैन	1																								
6	उस्मान	1																								
7	इस्तिखार	1																								
8	फहीम	1																								
9	सीमा	1																								
10	रिज़ा	1																								
11	फरहीन	1																								
1२	नाज़िया	1																								
13	शगुफ्ता	1																								
1५	गुलिस्तां	1																								
15	महज़बीं	1																								
16	शबाना	1																								
17	सानिया	1																								
18	निगहत	1																								
19	इलमा बी	1																								
२०	इलमा	1																								
२1	महेश	1																								
२२	आशीष	1																								
२3	कुणाल	1																								
२५	मोहित	1																								
२5	आशुतोष	1																								
२6	अनु	1																								
२7	सुहानी	1																								
२8	रश्मि/नन्हू	1																								
२9	रश्मि/गुटकी	1																								
30	राधिका	1																								
31	बबीता	1																								
3२	रिहान	२																								
33	समीर	२																								
3५	तौहीद	२																								
35	नदीम	२																								
36	तालिब	२																								
37	आलीना	२																								
38	आदेश	२																								
39	विपिन/रामसूर्ति	२																								
५0	विपिन/प्रेमपाल	२																								
५1	किशन	२																								
५२	उर्वशी	२																								
५3	रोशनी	२																								
५५	मीनाक्षी	२																								
५5	हिमांशी	२																								
५6	हिमांशु	२																								
५7	ज्योति	२																								
५8	कीमती	२																								
५9	सोनम	२																								
50	नैन्सी	२																								
51	गुनगुन	२																								
5२	रश्मि/सतीश	२																								

मिशन शिक्षण संवाद

(प्रशान्त अग्रवाल, प्रा॰ वि॰ अहिया, बरेली)

Most Common Sight Words

(By Prashant Agarwal, Bareilly)

He	वह (पु)	His	उसका	On	पर	Is	है
She	वह (स्त्री)	Her	उसका	At	पर	Are	हैं
They	वे	Their	उनका	In	में	Am	हूँ
You	तुम	Your	तुहारा	To	को	Was	था
I	मैं	My	मेरा	Of	का	Were	थे
We	हम	Our	हमारा	For	के लिए	Will	होगा
Who	कौन	Him	उसको	By	द्वारा	Shall	होगा
Which	कौन सा	Them	उनको	With	के साथ	May	सकना
What	क्या	Me	मुझे	From	से	Can	सकना
Whose	किसका	Us	हमको	About	के बारे में	Has	चुका है
Whom	किसको	This	यह	Before	पहले	Have	चुके हैं
Where	कहाँ	That	वह	After	बाद में	Had	चुका था
When	कब	These	ये	And	और	Does	करता है
Why	क्यों	Those	वे	But	लेकिन	Do	करना
How	कैसे	It	यह	Or	या	Did	किया
Each	प्रति	Its	इसका	If	यदि	Be	होना
Every	प्रत्येक	No	नहीं	So	इसलिए	Come	आना
Many	अनेक	Not	नहीं	As	चूंकि	Go	जाना
All	सब	Never	कभी नहीं	Just	अभी	Give	देना
Some	कुछ	Once	एक बार	Because	क्योंकि	Look	देखना
Any	कोई	Always	हमेशा	Now	अब	Like	जैसे/पसंद करना
Very	बहुत	A	एक	Then	तब	Said	कहा
Much	अधिक	An	एक	Here	यहाँ	Time	समय
Also	भी	The	-	There	वहाँ	Next	अगला

प्रशान्त अग्रवाल बरेली

मूलभूत गणितीय आकार

चार भुजा की बंद आकृति, चारों भुजा समान
चारों कोण ९०° वर्ग उसी का नाम

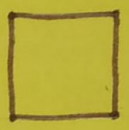

वर्ग

चार भुजा की बन्द आकृति, सम्मुख भुजा समान
चारों कोण ९०° आयत की पहचान

आयत

तीन भुजा की बन्द आकृति, त्रिभुज वो कहलाये
जोड़ो तीनों अन्तःकोण, १८० आये

त्रिभुज

लम्बाई चौड़ाई और ऊँचाई सब सम
त्रिविमीय वो आकृति कहलाती है घन

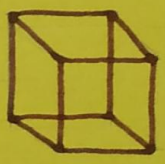

घन

लम्बाई चौड़ाई और ऊँचाई असमान
त्रिविमीय वो आकृति कहलाती घनाभ

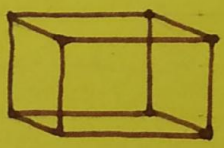

घनाभ

केन्द्र बिन्दु के चारों ओर, खींचें रेखा वक्र
रहे केन्द्र से दूरी सम, बन जाता है वृत्त

वृत्त

गेंदनुमा हो आकृति, जब सतह पर रखते
एक बिन्दु बस छूता है, गोल उसे हम कहते

गोल

लम्बी सीधी गोल नली, बेलन है कहलाती
सर्कस के जोकर की टोपी, शंकु हमें समझाती

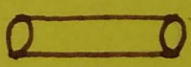

बेलन

शंकु

पहचानो आकार सभी, बड़े काम की चीज
आगे की जो गणित है, ये सब उसके बीज ॥

(रचनाकार - प्रशान्त अग्रवाल, बरेली)

【ऐकिक नियम】
(दृष्टांत से concept clear)

अगर छलांग लगानी है तो हो जाओ तैयार
पीछे जाओ 'एक' तक, फिर उछलो, करो प्रहार

जिस प्रकार लम्बी छलांग लगाने के लिए पहले पीछे जाना पड़ता है,

ठीक इसी प्रकार,

'यदि 3 पेंसिल 5 रुपये की हैं,
तो 9 पेंसिल कितने की होंगी'
पता करने के लिए

पहले पीछे जाएंगे कि
'1 पेंसिल कितने की होगी'

और फिर लंबी छलांग लगाकर पता करेंगे
'9 पेंसिल कितने की होंगी'

3 पेंसिल = रुपये 5
1 पेंसिल = रुपये 5/3
9 पेंसिल = रुपये 5/3 × 9
= रुपये 15

(तो छलाँग लगाने के लिए कौन-कौन पीछे जायेगा?) 😊

(दृष्टांत-विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली)

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ य र ल व
च छ ज झ ञ श ष स ह
ट ठ ड ढ ण क्ष त्र ज्ञ
त थ द ध न ड़ ढ़ श्र
प फ ब भ म
1 11 21 31 41 51 61 71 81 91
2 12 22 32 42 52 62 72 82 92
3 13 23 33 43 53 63 73 83 93
4 14 24 34 44 54 64 74 84 94
5 15 25 35 45 55 65 75 85 95
6 16 26 36 46 56 66 76 86 96
7 17 27 37 47 57 67 77 87 97
8 18 28 38 48 58 68 78 88 98
9 19 29 39 49 59 69 79 89 99
10 20 30 40 50 60 70 80 90 100
A B C D E F G
H I J K L M N
O P Q R S T
U V W X Y Z
Mango (मैंगो) आम
Apple (एप्पल) सेब
Banana (बनाना) केला
Papaya (पपाया) पपीता
Grapes (ग्रेप्स) अंगूर
Guava (ग्वावा) अमरूद
Pear (पीअर) नाशपाती
Pomegranate (पोमग्रेनेट) अनार
देश : भारत ध्वज : तिरंगा
राष्ट्रगान : जन-गण-मन
राष्ट्रगीत : वन्दे मातरं
पशु : बाघ पेड़ : बरगद
पक्षी : मोर नदी : गंगा
फल : आम खेल : हॉकी
फूल : कमल मुद्रा : रुपया
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
2 4 6 8 10 12 14 16 18 20
3 6 9 12 15 18 21 24 27 30
4 8 12 16 20 24 28 32 36 40
5 10 15 20 25 30 35 40 45 50
6 12 18 24 30 36 42 48 54 60
7 14 21 28 35 42 49 56 63 70
8 16 24 32 40 48 56 64 72 80
9 18 27 36 45 54 63 72 81 90
10 20 30 40 50 60 70 80 90 100
a b c d e f g
h i j k l m n
o p q r s t
u v w x y z
Red (रेड) लाल
Blue (ब्लू) नीला
Green (ग्रीन) हरा
Yellow (यलो) पीला
Black (ब्लैक) काला
White (व्हाइट) सफेद
Orange (ऑरेंज) नारंगी
Pink (पिंक) गुलाबी

आओ साथी खूब सजाएँ
प्रिय पुस्तक संसार
मंडराएँगी प्यारी 'तितली'
'भ्रमर' करें गुंजार

प्राथमिक विद्यालय डहिया
फतेहगंज पश्चिमी
जनपद बरेली
उत्तर प्रदेश

पुस्तकालय व्यवस्था में संशोधन-सुधार

1. आकर्षित करने में Display अहम होता है, अतः हर पुस्तक का पूरा कवर प्रदर्शित किया।

2. डोरी पर लटकाने से झोल आ जाता था, अतः पुस्तकें तार पर लटकाईं, वो भी क्लिप पिरोकर।

3. लटकी पुस्तकों के कवर किनारों से मुड़ जाते थे, अतः office clip pins का प्रयोग किया (2 पिन प्रति पुस्तक)। (बाद में अनुभव के बाद मोटी पुस्तकों पर pins लगाना छोड़ दिया।)

(120 पुस्तकें लटकाने में खर्च मात्र ₹ 300)

₹ 200 (10 पैकेट में 120 क्लिप @20)
₹ 60 (3 डिब्बी क्लिप पिन @20)
₹ 40 (तार @ 80 प्रति kg)

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

प्रोजेक्टर हेतु video downloading

विगत कई दिनों से (ग्रीष्मावकाश में) नित्य ही youtube से बच्चों को प्रोजेक्टर पर दिखाने योग्य videos डाउनलोड करने का क्रम चल रहा है।

(Steps)

1. Videos 'snaptube' द्वारा download करना (अधिकतम resolution में)
2. उसको सही प्रकार से rename करना
3. फिर उसको विषयवार श्रेणी के folder में पहुंचाना
4. उसका backup लेना
5. कॉपी में प्रत्येक की विविध सूचनाएँ अंकित करना (शीर्षक, अवधि, quality in pixel, MB, link)

(मुख्यतः निम्न श्रेणियां बनायी हैं)

1. शैक्षिक (पाठ्यवस्तु संबंधी)
2. नैतिक कथाएँ
3. व्यक्तित्व
4. देशभक्ति गीत
5. प्रार्थनाएँ
6. बाल-फिल्म
7. मीना की दुनिया

(कुछ मुख्य links)

1. Kriti educational videos
2. Bookbox
3. Bodhaguru
4. Make me genius
5. Pebbles
6. BRS media
7. Gyan manjari
8. Kilkariyan
9. गोयल brothers
10. दैनिक जागरण संस्कारशाला

अब तक 276 videos (बाद में कुल लगभग 750) कर लिये हैं, काम नित्य जारी है। जो data रोज खाली चला जाता था, अब उसका पूर्ण उपयोग हो रहा है।

साथियों के अनुभव-सुझाव आमंत्रित हैं।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

शैक्षिक सामग्री की online खरीद

(एक अनुभव साझा करने के क्रम में)

पिछले वर्ष हमने कंपोजिट ग्रांट की धनराशि मुख्यतया अलमारी, रैक, मेज, कुर्सी आदि ठोस वस्तुओं पर व्यय की थी।

इस बार उक्त आवश्यकता नहीं होने पर और प्रधानाध्यापक महोदय की उदार अनुमति मिलने पर मैंने अपने विद्यालय के लिए 10435 रुपए के 39 रोचक शैक्षिक items ऑनलाइन मंगाये और प्रत्येक item को खोलकर सजाकर उनके लगभग 60 फ़ोटो खींचे (कुछ items double-sided होने के कारण)।

कुछ बेहद उपयोगी सामग्री का विवरण :

- हिंदी, English, गणित के वर्णों, अंकों की लकड़ी की खाँचेदार पट्टियाँ, लकड़ी की कलमों सहित, जिनसे न केवल कॉपी-पेंसिल की समस्या कम होगी बल्कि हस्तलेख भी स्वतः सुन्दर होगा।

- हिंदी शब्द-रचना हेतु 450 रुपए का item जिसमें प्रत्येक वर्ण का दोहरा सेट और हर मात्रा 4/5 बार अपने मूल आकार में छोटे टाइलनुमा शैली में निर्मित है। मुझे सर्वाधिक उपयोगी और उचित मूल्य इसी का लगा।

- My first book of library के अंतर्गत 10 शानदार पॉकेट-साइज़ पुस्तकों का सेट जिसमें हिंदी वर्ण, English alphabet, गिनती, फल, सब्ज़ी, रंग, जानवर आदि का द्विभाषीय विवरण अति सुन्दर pics के साथ बहुत मोटे पट्ठेनुमा पन्नों पर अंकित है।

- इनके अतिरिक्त भिन्न के आकृति-संख्यात्मक मिलान, गुणा का कांसेप्ट वस्तुवार मिलान द्वारा, कई टुकड़ों में बँटी आकृति जोड़कर spelling पूरी करना, activities की पुस्तकें आदि और भी अनेक उपयोगी सामग्री मँगाई।

सभी सामान मुख्यतया Amazon और First cry से मँगाया। हाँ, अपने पते के ऊपर विद्यालय का नाम भी जोड़ा ताकि रसीद में विद्यालय का नाम ज़रूर आ जाये।

आशा है, इस पोस्ट का न्यूनाधिक लाभ सुधी साथियों के द्वारा अन्ततः अनेकानेक बच्चों तक अवश्य पहुँचेगा।

(प्रस्तोता : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)